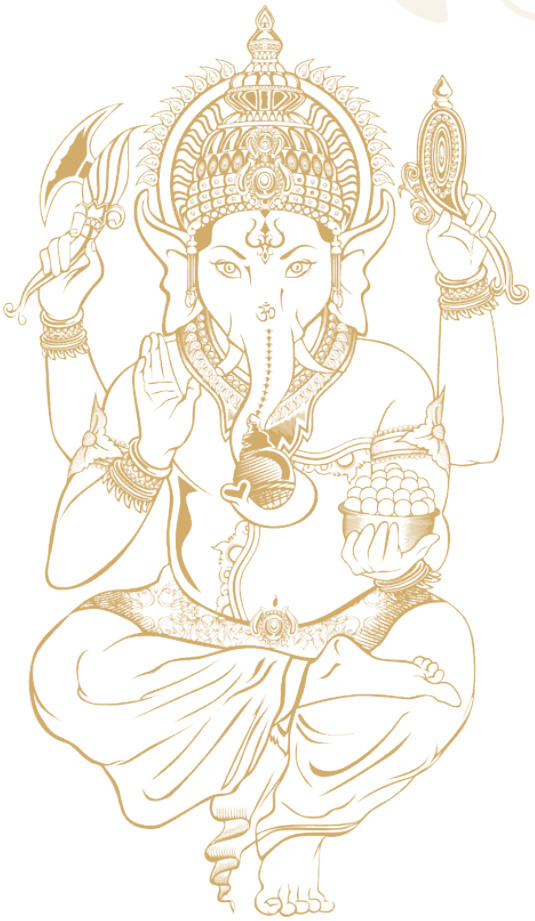

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119292608

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/09/1993	जन्म तिथि	12/01/1996
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:15:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 55:37:16	जन्म समय(घटी)	21:51:11 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:05	सूर्योदय	07:15:31
18:39:16	सूर्यास्त	17:43:03
23:46:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 14वर्ष 3मा 22दि	24:02:16	कर्क	लग्न	मिथु	05:51:22	चन्द्र 9वर्ष 5मा 17दि
शुक्र	17:39:21	सिंह	सूर्य	धनु	27:41:28	राहु
27/12/2014	18:46:32	मीन	चंद्र	कन्या	10:42:52	30/06/2012
27/12/2034	20:53:08	कन्या	मंगल	मक	09:18:57	30/06/2030
शुक्र 27/04/2018	22:53:14	सिंह	बुध व	मक	10:44:36	राहु 13/03/2015
सूर्य 27/04/2019	21:56:12	कन्या	गुरु	धनु	08:14:34	गुरु 05/08/2017
चन्द्र 26/12/2020	14:54:43	कर्क	शुक्र	कुंभ	02:50:25	शनि 11/06/2020
मंगल 25/02/2022	02:04:22	कुंभ व	शनि	कुंभ	26:27:11	बुध 30/12/2022
राहु 25/02/2025	13:09:19	वृश्चि व	राहु व	कन्या	27:47:04	केतु 17/01/2024
गुरु 27/10/2027	13:09:19	वृष व	केतु व	मीन	27:47:04	शुक्र 17/01/2027
शनि 27/12/2030	24:40:56	धनु व	हर्ष	मक	06:12:15	सूर्य 12/12/2027
बुध 27/10/2033	24:47:10	धनु व	नेप	मक	01:18:14	चन्द्र 12/06/2029
केतु 27/12/2034	29:14:16	तुला	प्लूटो	वृश्चि	08:30:06	मंगल 30/06/2030

लग्न-चलित

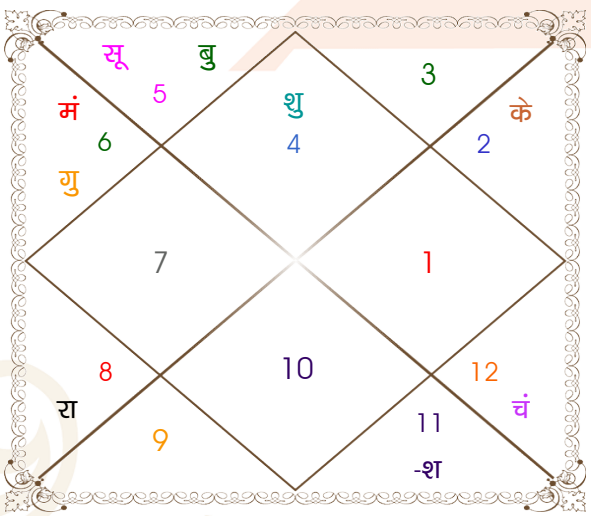

लग्न-चलित

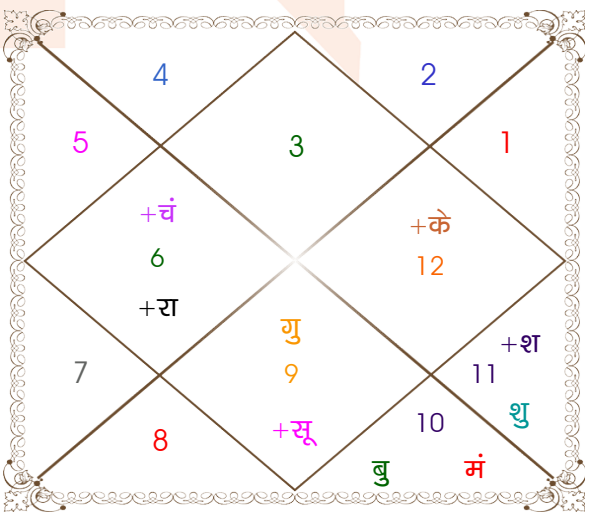

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।